भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
तारांकित प्रश्न सं. 146

दिनांक 10 फरवरी, 2026

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीएआर-एनआईएसएसटी) की अवसंरचना

***146. श्री राजीव राय :**

क्या **कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीएआर-एनआईएसएसटी), मऊ एक जीर्ण-शीर्ण भवन में कार्य कर रहा है जिसके परिणामस्वरूप प्रशिक्षु इंजीनियरों और संकाय कर्मचारियों के जीवन को खतरा उत्पन्न हो गया है;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा आईसीएआर-एनआईएसएसटी के जीर्ण-शीर्ण भवन के विकास के लिए क्या कदम उठाए गए हैं/उठाए जा रहे हैं;

(ग) इस विकास कार्य के कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(घ) क्या सरकार आईसीएआर-एनआईएसएसटी की अवसंरचना का उन्नयन करने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो आईसीएआर-एनआईएसएसटी की अवसंरचना के उन्नयन के लिए सरकार द्वारा कितनी धनराशि आवंटित की गई है?

उत्तर

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री
(श्री शिवराज सिंह चौहान)

(क) से (घ): विवरण सभा के पटल पर प्रस्तुत है।

*****

"भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद-राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (आईसीएआर-एनआईएसएसटी) की अवसंरचना" के संबंध में दिनांक 10.02.2026 के लोक सभा के तारांकित प्रश्न संख्या 146 के भाग (क) से (घ) के संबंध में विवरण

(क) से (ग) : भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (ICAR-NISST), मऊ ने इस भवन को काम में लिया था जो पहले भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय गन्ना एवं शर्करा प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए वर्ष 1988-89 के दौरान निर्मित किया गया था और जिसे वर्ष 2004 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) ने लिया था। यह भवन पूरी तरह से सुरक्षित एवं कार्य करने योग्य स्थिति में है। भवन की सुविधाओं को बनाए रखने, मरम्मत करने अथवा सुधारने के लिए नियमित रूप से भवन की मरम्मत एवं रखरखाव कार्य किया जाता है, ताकि भोक्ताओं (ओक्यूपेंट्स) अथवा व्यापक रूप से जनता की सुरक्षा सुनिश्चित हो, और भवन और सेवाएं अच्छी प्रचालन और निवासनीय दशाओं में सुरक्षित रहें। इसके लिए केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (CPWD) की विशिष्टताओं और मानकों का अनुकरण करते हुए इसका नियमित रूप से नवीनीकरण किया गया है।

मौजूदा भवन में बीज गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला और बीज गोदाम वर्ष 2013 के बाद जोड़े गए हैं और इस प्रयोगशाला का उर्ध्व विस्तार प्रथम तल के निर्माण के लिए CPWD के मानकों के अनुसार रुपये 1.28 करोड़ की अनुमानित लागत से किया जा रहा है और इसे अक्टूबर, 2026 तक पूरा किया जाना है। इसके अलावा, संस्थान के सभागार का भी नवीकरण किया जा रहा है जिसमें अपेक्षित खर्च कुल 51.98 लाख रुपये है तथा इसे मार्च, 2026 तक पूरा किए जाने का लक्ष्य है।

इसी परिसर में, भाकृअनुप का एक अन्य प्रमुख संस्थान यथा- भाकृअनुप-राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो (ICAR-NBAIM), मऊ भी वर्ष 2004 से भवन के दूसरे हिस्से में कार्यरत है।

(घ) : जी, हां। वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 के दौरान भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (ICAR-NISST), मऊ को कुल 10.994 करोड़ रुपये की पूंजीगत निधि आवंटित की गई थी, जिसमें भवन और वास्तविक वर्क्स (निर्माण कार्य) के लिए रु. 3.02 करोड़ की राशि भी शामिल है। इसके अलावा, वर्ष 2026-27 से वर्ष 2030-31 के दौरान भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (ICAR-NISST), मऊ के लिए प्रस्तावित 11.2 करोड़ रुपये की पूंजीगत निधि में से कुल 5.4 करोड़ रुपये भवन एवं वास्तविक वर्क्स के लिए प्रस्तावित किए गए हैं।

****